

माना गया है, इसे 'बूट' 'छोले' नामों से भी पुकारा जाता है, इसे पीसने पर बेसन तथा "हरे" पके चने के "हौला" (होरा) रूप भी होते हैं मुहा. चने का मारा भरना- बहुत दुर्बल हो जाना; नाकों चने चबवाना- बहुत हैरान परेशान करना; नाकों चने चबाना- बहुत परेशान होना; लोहे के चने चबाना- अत्यंत कठिन काम करना ।

**चनाब स्त्री.** (तत्.) पंजाब की पाँच नदियों में से एक टि. यह नदी लद्दाख के पर्वतों से निकल कर सिंध में मिलती है, यह प्रायः छः सौ मील लम्बी है।

**चनार पुं.** (फा.) एक प्रकार का बहुत ऊँचा पेड़ जो उत्तर भारत, विशेषतः कश्मीर में बहुत अधिकता से होता है टि. इस वृक्ष की लकड़ी देर से जलती है और मेज कुर्सियाँ बनाने के काम आती है।

**चनेठ पुं.** (देश.) 1. एक प्रकार की घास 2. इस घास से बनी हुई औषध जो प्रायः पशुओं को दी जाती है।

**चपकन स्त्री.** (देश.) 1. एक प्रकार का अँगरखा 2. लोहे या पीतल का एक साज जिसे किवाड़, संदूक आदि में लगाते हैं, जिससे उसके पत्ते अटके रहें और झटके आदि से न खुलें 3. एक छोटी कील जो हल की हरिष में आगे की ओर लगी होती है।

**चपकलश स्त्री.** (तुर्की) 1. तलवार का युद्ध 2. दंगा 3. लड़ाई, झगड़ा 4. स्थान की कमी 5. भीड़ 6. दिक्कत/अड़चन।

**चपका पुं.** (देश.) एक प्रकार का कीड़ा।

**चपकाना स.क्रि.** (देश.) दे. चिपकाना।

**चपकुलिश स्त्री.** (तुर्की.) चपकुलश 1. कठिन स्थिति, अड़चन, फेर, कठिनाई, झंझट 2. कसामसी, खींचातानी, आपाधापी 3. भीड़-भाड़, जगह की तंगी।

**चपट पुं.** (तद्.) 1. चपत/तमाचा 2. दे. चपेट।

**चपटा वि.** (तद्.) दे. चिपटा।

**चपटाना स.क्रि.** (देश.) दे. चिपकाना।

**चपटी स्त्री.** (देश.) 1. एक प्रकार की किलनी जो चौपाये को लगती है 2. ताली 3. योनि/भग मुहा. चपटी खेलना- दो स्त्रियों का परस्पर योनि मिलाकर रगड़ना।

**चपड़ गट्टू वि.** (देश.) 1. आफत का मारा 2. गुत्थमगुत्था।

**चपड़ चपड़ स्त्री.** (अनु.) (तद्.) वह शब्द जो कुत्तों के मुँह से खाते या पानी पीते समय निकलता है।

**चपड़ा पुं.** (देश.) 1. साफ की हुई लाख का पत्तर 2. लाल रंग का एक कीड़ा, जो प्रायः पाखानों तथा सीड़ लिए हुए गंदे स्थानों में होता है 3. चिपटी वस्तु, पत्तर।

**चपत पुं.** (तद्.) 1. तमाचा या थप्पड़ जो सिर या गाल पर मारा जाए मुहा. चपत झाड़ना- चपत मारना 2. धक्का, हानि, नुकसान प्रयो. उसे बैठे-बिठाए हजारों रुपये की चपत लग गई।

**चपतियाना स.क्रि.** (देश.) चपत लगाना प्रयो. उसने सामने वाले को पकड़ा और चपतियाना शुरू कर दिया।

**चपना अ.क्रि.** (तद्.) 1. दबना, दाब में पड़ना, कुचल जाना 2. लज्जा से गड़ जाना, लज्जित होना, सिर नीचा करना, शरमाना, झेंपना 3. चौपट होना।

**चपनी स्त्री.** (देश.) 1. छिछला कटोरा, कटोरी मुहा. चपनी भर पानी में डूब मरना- लज्जा के मारे मुँह न दिखाना 2. एक प्रकार का कमंडल जो दरियाई नारियल का होता है 3. हाँडी का ढक्कन मुहा. चपनी चाटना- बहुत थोड़ा अंश पाकर रह जाना 4. घुटने की हड्डी, चक्की।

**चपरगट्ट वि.** (देश.) 1. सत्यानाशी, चौपटा 2. आफत का मारा, अभाग 3. एक में उलझा हुआ।

**चपरना स.क्रि.** (देश.) 1. चिपचिपी वस्तु को दूसरी वस्तु पर फैलाकर लगाना 2. परस्पर मिलाना, सानना, ओत-प्रोत करना 3. भाग जाना, खिसक जाना 4. जल्दी करना।